ये अव्यक्त इशारे

सच्चे दिल से साहेब राज़ी कर परमात्म दिलतख्त नशीन बनो

17-12-2022

कभी कोई भी शारीरिक बीमारी हो, मन का तूफान हो, तन में हलचल हो, प्रवृत्ति में हलचल हो, सेवा में हलचल हो, किसी भी प्रकार की हलचल में दिलशिकस्त कभी नहीं होना। जैसे बाप बड़ी दिल वाले हैं, ऐसे बड़ी दिल वाले बनो। अगर कोई हिसाब किताब आ भी गया, दर्द आ गया। उसमें दिलशिकस्त होकर बीमारी को बढ़ाओ नहीं हिम्मत वाले बनो तो बाप भी मददगार बनेंगे। मन में जब कोई भी उलझन आती है तो ऐसे समय पर निर्णय शक्ति चाहिये और निर्णय शक्ति तब आ सकती है जब आपका मन बाप की तरफ हो, दिल में सच्चाई हो, इसलिए किसी भी प्रकार की उलझन में दिलशिकस्त कभी नहीं बनो।

Imbibe honesty and cleanliness and please the true Lord

Whenever there is any physical illness, storm in the mind, upheaval with the body, the family, in service or any type of upheaval, never be disheartened. Just as the Father has a big heart, become those with a big heart. If there is any karmic account, if there is any suffering, do not be disheartened and make the illness worse. Be courageous and the Father will also help. Whenever there is a problem in your mind, you need the power to decide at that time and that will come when your mind is connected with the Father and you have honesty in your heart. Therefore, never be disheartened in any kind of problems.